मैं अपने जेठ की पत्नी बन कर चुदी -17

“मैं धीमे-धीमे चलते हुए लेटने से पहले अपने टॉप को निकाल कर केवल ब्रा और स्कर्ट में लेट गई। मेरी ब्रा में कसी चूचियों को देख कर संतोष एकटक मुझे देखने लगा। ...”

Story By: neha rani (neharani)
Posted: सोमवार, मार्च 7th, 2016
Categories: नौकर-नौकरानी
Online version: मैं अपने जेठ की पत्नी बन कर चुदी -17

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैं अपने जेठ की पत्नी बन कर चुदी -17

अन्तर्वासना के पाठकों को आपकी प्यारी नेहारानी का प्यार और नमस्कार।

अब तक आपने पढ़ा..

> वह मेरी चूत पर खींच-खींच कर शॉट लगा कर मेरी चुदाई करता जा रहा था।
> मैं उसके शॉट और उसके मजबूत लण्ड की चुदाई पाकर झड़ने के करीब पहुँच गई। मैं चूतड़ उठा-उठा कर उसके हर शॉट को जवाब देने लगी।
> वह अपनी स्पीड और बढ़ा कर मेरी चूत चोदने लगा।
>
> ‘आह्ह्ह्ह् उईईईईईई.. न.. ईईईईई.. स.. ईईईईई मम्मग्ग्ग्गईईई.. आह्ह्ह्ह..’
> उसके हर शॉट पर मेरी चूत भलभला कर झड़ने लगी।
> ‘आह्ह्ह्ह्.. मेरा हो गया.. तेरा लण्ड मस्त है रे.. मेरी चूत तू अच्छी तरह से बजा रहा है.. आह्ह्ह्ह् सीईईईई..’
> वह भी तीसेक शॉट मार कर अपने लण्ड का पानी मेरी बुर की गहराई में छोड़ने लगा।

अब आगे..

वह भी 20-25 शॉट मार कर अपने लण्ड का पानी मेरी बुर की गहराई में छोड़ने लगा.. जिस तरह दाने-दाने पर खाने वाले का नाम लिखा होता है.. उसी तरह हर चूत पर चोदने वाले का नाम लिखा होता है।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अब आप ही खुद देखो.. आई थी किससे चुदने.. और चुद किससे गई..
यह भी बिल्कुल सही होता है जिसके भाग्य में जो लिखा होता है.. वह मिलता ही है.. मेरी मुनिया के भाग्य में एक अजनबी का लण्ड लिखा था.. जो उसे मिला।

अब मैं आपको आगे की कहानी बताती हूँ।
उस रात उसने मेरी चूत का जम कर बाजा बजाया और मैं भी खुलकर उसका साथ देकर खूब चुदी.. ना उसने मुझे जाने दिया और ना ही मेरी चूत को उससे अलग होने का मन हुआ।

मैं सारा डर निकाल कर छत पर पूरी रात चुदती रही.. लण्ड और चूत एक लय में ताल मिला कर चुदते रहे.. उसने आखरी बार मेरी गाण्ड को बजाया.. मैं पूरी तरह उसकी होकर चूत और गाण्ड में लण्ड लेती रही। उस रात भोर तक उसने तीन बार मेरी चुदाई की..

मैं पूरी तरह उसके वीर्य से नहाकर.. चूत जम कर मरवा कर.. छत से नीचे चली आई और मैं सीधे बेडरूम में जाकर बाथरूम में घुस गई और अपने बदन पर लगे वीर्य को साफ करके मैं पति के बगल में सो गई।

मेरी नींद पति के जगाने पर खुली, फिर मैंने बाथरूम जाकर नहाकर कपड़े पहन लिए। तब तक पति और जेठ नाश्ता कर चुके थे। मैं भी चाय पीकर पति के ऑफिस जाने के लिए तैयारी में हाथ बंटाने लगी।

तभी पति ने कहा- रात में मेरी नींद खुली.. तुम नहीं थीं.. कहाँ चली गई थीं ?
पति के ऐसा पूछने पर मैं सकपका गई।
अब क्या जबाब दूँ.. लेकिन मैंने बात को बनाकर जबाब दे दिया- मुझे नींद नहीं आ रही थी.. इसलिए मैं छत पर चली गई थी और वहीं जमीन पर लेट गई थी.. क्यों कोई काम था क्या ?

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

‘नहीं काम नहीं था.. बस नींद खुली तो तुमको ना साथ पाकर पूछ लिया।’
‘ओह जनाब का इरादा क्या है.. कहीं यह तो नहीं कह रहे हो कि मैं चुदने चली गई थी। आप तो मेरी चूत देखकर बता देते हो कि चुदी है या नहीं.. देखो चुदी है या नहीं..’

‘नहीं जान.. मुझे भरोसा है.. जब भी कोई तेरी चूत लेगा या तुम्हारा दिल किसी पर आ गया और तुम चुदा लोगी तो मुझे बता दोगी। मेरे तुम्हारे बीच छुपा ही क्या है।’
इस बात पर मैं और पति एक साथ हँस दिए।

फिर पति ने कहा- मुझे कुछ काम से इलाहाबाद जाना है.. मैं भाई साहब को ऑफिस का काम देखने के लिए साथ लेकर जा रहा हूँ.. हो सकता है.. कि आने में रात हो जाए..

यह कहते हुए पति और जेठ जी चले गए.. मैं रात भर तबीयत से चुदी थी.. मेरी चूत फुलकर कुप्पा हो चुकी थी.. मुझे थकान महसूस हो रही थी इसलिए मैं भी नाश्ता करके और संतोष को काम समझा कर बेडरूम में आराम करने चली गई।

घर में मेरे और संतोष के सिवा कोई भी नहीं था.. इसी लिए मैंने एक शार्ट स्कर्ट पहन ली.. ऊपर एक बड़े गले का टॉप डाल कर.. बिस्तर पर लेटकर.. रात भर हुई चुदाई के विषय में सोचते हुए मुझे नींद आ गई।

मेरी नींद संतोष के जगाने से खुली ‘मेम साहब आप खाना खा लो..’

मैंने बेड पर लेटे हुए ही घड़ी देखी.. दो बज रहे थे। तभी मेरा ध्यान संतोष के पहने तौलिए पर गया.. तौलिए के अंदर उसका लण्ड का उभार साफ दिख रहा था। संतोष का लण्ड इस टाईम पूरे उफान पर था। इसका मतलब संतोष यहाँ मेरे कमरे में काफी समय से था और इसने कुछ देखा जरूर है। मैं भी आजकल पैन्टी नहीं पहनती थी.. एक तो मेरी स्कर्ट भी जाँघ को पूरी तरह ढकने में सक्षम नहीं थी।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

तभी मैंने गौर किया कि संतोष की निगाहें मेरी जाँघ के पास ही है- और उसका लण्ड तौलिए में उठ-बैठ रहा है। मैं अपने एक पैर को मोड़े हुए थी..

शायद इसी वजह से मेरी चूत या चूतड़ दिख रहे हों। मैंने एक चीज पर और गौर किया कि वह केवल तौलिए में था। शायद नीचे अंडरवियर भी नहीं पहने हुए था और वो ऊपर बनियान भी नहीं पहने था।

तभी मैं संतोष से पूछ बैठी- क्या तुम नहा चुके हो संतोष ?
'ज..ज्ज्जी मेम्म्म.. स्स्स्साह्ह्हब..'

संतोष का खड़ा लण्ड देखने से मेरी चूत एक बार फिर चुदने को मचल उठी और मैं 'तबियत ठीक नहीं है' का बहाना करके बोली- संतोष तुम खा लो.. मेरी तबीयत कुछ ठीक नहीं है.. मैं नहीं खाऊंगी।
'क्या हुआ.. मेम साहब आपको.. ?'

'बदन में बहुत दर्द है संतोष..'
'क्या मैं दवा ला दूँ ?'

'नहीं रे..' मैं अगड़ाई लेते हुए बोली।
'दवा की जरूरत नहीं.. फिर क्या चाहिए मेम ?'
'तेरा लण्ड..' मेरे मन में आया ऐसा कह दूँ..

'नहीं रे.. तू जा.. खाकर सो जा.. थक गया होगा।'
बोला- मैं क्या कर सकता हूँ.. मेम साहब आपके लिए और आप दवा नहीं लोगी तो ठीक कैसे होगी ?

'मेरे बदन का पोर-पोर दु :ख रहा है.. आहह्ह्ह्.. कोई मालिश कर देता तो कुछ राहत

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मिलती।’

कुछ देर चुप रहने के बाद वह बोला- आप कहें तो मैं कर दूँ मालिश ?’
‘तुमको करना आता है.. क्या रे ?’
“हाँ मेम साब.. मैं बहुत बढ़िया मालिश करता हूँ।’ संतोष चहकते हुए बोला।

‘चल तब तू ही कर दे.. पर बिस्तर पर नहीं.. चादर गंदी हो जाएगी। वहाँ हाल में लगी चौकी पर एक दूसरी चादर बिछा.. मैं वहीं आती हूँ।’

संतोष ने जल्दी से एक चादर लेकर चौकी पर डाल दी।

नंगी होकर नौकर से बदन की मालिश करवाई

मैं धीमे-धीमे चलते हुए चौकी पर लेटने से पहले अपने टॉप को निकाल कर केवल ब्रा और स्कर्ट में लेट गई। मेरी ब्रा में कसी चूचियों को देख कर संतोष एकटक मुझे देखने लगा।

‘क्या देख रहे हो संतोष.. जल्दी से मेरी मालिश कर.. मेरा अंग-अंग टूट रहा है रे..’

मेरा इतना कहना था कि संतोष दौड़कर गया और तेल की शीशी ले आया और मुझसे बोला- मेम साहब सबसे ज्यादा दर्द कहाँ है ?
‘हर जगह है रे.. तू सब जगह मालिश कर दे.. अच्छा रूक मैं ब्रा भी निकाल दूँ.. नहीं तो तेल लग जाएगा।’

और मैं ब्रा खोल कर निकाल कर संतोष को देते बोली- ले.. इसे उधर रख दे।

मैं एकदम लापरवाह बन रही थी.. जैसे संतोष की मौजूदगी से और मेरी नंगी चूचियों से कोई फर्क नहीं पड़ता है। मैं पेट के बल लेट गई. संतोष अब भी वैसे ही खड़ा था।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

‘कर ना मालिश !’

तभी संतोष का हाथ मेरी पीठ पर पड़ा मेरा शरीर गनगना उठा। वह धीमे से हाथ चलाते हुए मालिश करने लगा। वह मेरी पूरी पीठ पर हाथ फिराते हुए मालिश करने लगा।

जब मैंने देखा कि वह मेरे पीठ और कमर के आगे नहीं बढ़ रहा है.. तो मैं बोली- संतोष मेरे पैर और जाँघ में भी मालिश कर न..

तभी वह अपने हाथ पर ढेर सारा तेल लेकर धीरे-धीरे मेरे पैरों की ओर से जाँघों तक मालिश करता रहा।

मैं बोली- संतोष तू मेरे लिए कुछ गलत तो नहीं सोच रहा है.. मालिश पूरी तरह नंगे होकर ही कराई जाती है।
‘नहीं मेम..’
‘फिर तू इतना काहे डर रहा है.. मेरे पूरे शरीर की मालिश कर ना..’

मेरा इतना कहना था कि वह मेरी जाँघों से होता हुआ स्कर्ट के नीचे से ले जाकर मेरे चूतड़ और बुर की दरार.. सब जगह हाथ ले जाकर मुझे मसलने लगा।

काफी देर तक मेरी जाँघों और चूतड़ों पर मालिश करता रहा। संतोष के हाथ से बार बार चूतड़ और बुर छूने से मेरी चुदास बढ़ गई और मैं मादक अंगड़ाई लेते हुए सिसकने लगी। यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं !

‘आहह्ह्ह उउईईईईई आहह..’
‘क्या हुआ मेम साहब ?’
‘कुछ नहीं संतोष.. मेरे बदन में दर्द है इसी से कराह निकल रही है।’ मैं यह कहते हुए पलट गई।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अब मेरी चूचियाँ और नाभि संतोष की आँखों के सामने थे, वह मालिश रोक कर एकटक मुझे देख रहा था।

‘संतोष मालिश करो ना आहह्ह्ह..’ और मैंने संतोष का हाथ खींच कर अपनी छाती पर रख दिया।

‘इसे मसलो.. इसमें कुछ ज्यादा दर्द है.. संतोष आई ईईईईई.. सीईईईई..’

संतोष मेरी छातियों को भींचने लगा, मैं सिसकती रही और अब संतोष की भी सांसें कुछ तेज हो चुकी थीं।
संतोष का एक हाथ मेरी चूचियों पर था.. दूसरा मेरी नाभि और पेट पर घूम रहा था।

संतोष मेरी चूचियों की मालिश में इतना खो गया था कि उसका तौलिया खुल गया था और उसमें से उसका लण्ड बाहर दिख रहा था।

मैं संतोष का एक हाथ अपनी जाँघ पर रख कर उसे दबाने को बोली और मैंने अपने हाथ को कुछ ऐसा फैला दिया कि संतोष का लण्ड मेरे हाथ से टच हो।
अब मैंने आँखें मूंद लीं, मेरे मुँह से सिसकारी फूट रही थीं।

अब संतोष कुछ ज्यादा ही खुल के मालिश कर रहा था।

मैं कहानी भेजती रहूँगी.. आपको मेरी कहानी कैसी लगी.. बताना जरूर.. मैं फिर यहीं मिलूँगी.. पता मालूम है ना.. एक बार मैं फिर बताती हूँ.. अन्तर्वासना
www.antarvasnasexstories.com

मैं यहीं चूत चुदवाती हुई मिलूँगी.. आप लण्ड हिलाते रहना। बाय..
आपकी नेहारानी..

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

कहानी जारी है।

neharani9651@gmail.com

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Bangla Choti Kahini

URL: www.banglachotikahinii.com **Average traffic per day:** GA sessions **Site language:** Bangla, Bengali **Site type:** Story **Target country:** India Bangla choti golpo for Bangla choti lovers.

Velamma

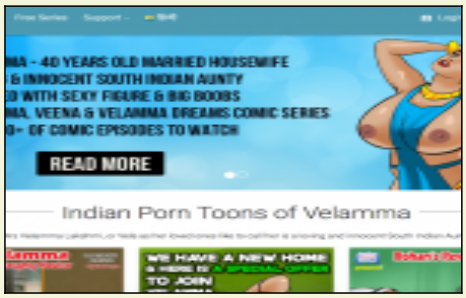

URL: www.velamma.com **Site language:** English, Hindi **Site type:** Comic / pay site **Target country:** India Vela as her loved ones like to call her is a loving and innocent South Indian Aunty. However like most of the woman in her family, she was blessed with an extremely sexy figure with boobs like they came from heaven!

Kama Kathalu

URL: www.kamakathalu.com **Average traffic per day:** 27 000 GA sessions **Site language:** Telugu **Site type:** Story **Target country:** India Daily updated Telugu sex stories.

Aflam Neek

URL: www.aflamneek.com **Average traffic per day:** 450 000 GA sessions **Site language:** Arabic **Site type:** Video **Target country:** Arab countries Porn videos from various "Arab" categories (i.e Hijab, Arab wife, Iraqi sex etc.). The site in intended for Arabic speakers looking for Arabic content.

Desi Tales

URL: www.desitales.com **Average traffic per day:** 61 000 GA sessions **Site language:** English, Desi **Site type:** Story **Target country:** India High-Quality Indian sex stories, erotic stories, Indian porn stories & sex kahaniya from India.

Kirtu

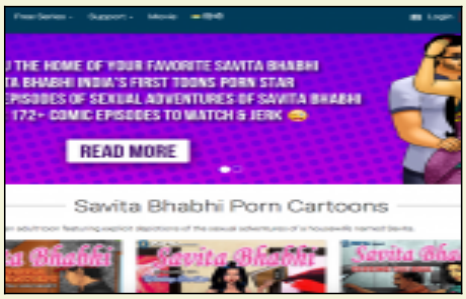

URL: www.kirtu.com **Site language:** English, Hindi **Site type:** Comic / pay site **Target country:** India Kirtu.com is the only website in the world with authentic and original adult Indian toons. It started with the very popular Savita Bhabhi who became a worldwide sensation in just a few short months.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire